कृतज्ञता

माँ भगवती की अपार अनुकम्पा एवं **पूजनीय ब्रह्मलीन बाबा पंडित श्री राधारमण मिश्र जी परम पूजनीय गुरु माँ** के स्नेह एवं आशीर्वाद के फलतः यह शोध कार्य अपने गंतव्य को प्राप्त कर सका है, जो पूर्ण निष्ठा तथा भक्ति भाव से भगवान के चरणों में अर्पित है।

इसके उपरांत मेरे प्रेरणा स्त्रोत मेरी **माता श्रीमती सुमन रानी, पिता श्री सुभाष चंद्र जी** के प्रोत्साहन स्नेह और आशीर्वाद ने मुझे प्रत्येक कठिनाइयों का सामना करने योग्य बनाया तथा मैं अपने माता–पिता का सहृदय आभार प्रकट करता हूँ।

गुरु का आभार शब्दों के माध्यम से प्रकट कर पाना असंभव है, मेरे वंदनीय मार्गदर्शक **प्रो0 गौरांग भावसार जी** जो मेरे लिए माता–पिता, भाई, मित्र सभी के रूप में मेरे सहायक हैं, मैं अपने प्रिय गुरु का सहृदय आभार प्रकट करता हूँ।

मैं अपने तबला वादक के प्रथम **गुरु श्री पुष्पेंद्र तलवार जी** का आभार प्रकट करता हुँ, जिनसे मैंने तबले की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की तथा जिन्होंने मुझे महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ तबला में एम0 ए0 करने का मार्ग प्रशस्त किया, जो मेरे भविष्य के लिए उचित मार्ग सिद्ध हुआ। तत्पश्चात् द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी के फैकल्टि ऑफ परफार्मिंग आर्टस के डिपार्टमेंट ऑफ तबला में गुरू–शिष्य पाम्परा एंवम् वर्तमान शिक्षण प्रणाली के साथ शोधार्थी की तबला शिक्षा का प्रारम्भ बी.ए से एम.ए तक के शोधार्थी के गुरू **स्वर्गीय पंडित पुष्कर्राज श्रीधर, प्रो0(डॉ) अजय अष्टपुत्रे, श्री चंद्रशेखर पेंडसे, डॉ केदार मुकदम, डॉ0 अनिल गांधी, श्री नंदकिशोर दॉते जी,** का शोधार्थी को समय–समय पर उचित मार्गदर्शन मिला। जिसके कारण ही शोधार्थी की तबला शिक्षा शोध–प्रवृत्ति तक पहुँची, इसका पूर्ण श्रेय विभाग के गुरूजनों का है, इन सभी गुरूजनों का जितना भी आभार प्रेशित करूं, उनता कम है, इन गुरूओं के ऋण से शोधार्थी कभी मुक्त नहीं हो सकता है।

साथ ही शोधार्थी के विषय पर सहयोग करने वाले नृत्य विभाग की **डॉ0 स्मृति वाघेला जी** का भी आभार प्रकट करता हुँ जिन्होंने मुझे नृत्य संबंधी कई तथ्यों को समझाने में मेरी सहायता की और मेरा उचित मार्गदर्शन किया। इसके पश्चात में फैकल्टी ऑफ परफॉर्मिंग आर्टस के सभी डिपार्टमेंट और सभी टीचर्स का आभार प्रकट करता हुँ और साथ ही मेरे विषय में सहयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभार प्रकट करता हुँ।

गायन विभाग के अध्यक्ष एवं वाइस डीन डॉ0 राजेश केलकर जी का भी हृदय से अभार प्रकट करता हुँ, जिन्होनें कई बार प्रोत्साहित किया, मेरा मार्ग दर्शन किया और अर्थिक रूप से भी सहयोग व आर्शिवाद प्रदान किया।

प्रो0 (डॉ) अजय अष्टपुत्रे जी का भी आभारी हुँ, जो मेरे पीएचडी रजिस्ट्रेशन के समय तबला विभाग के अध्यक्ष एवं फैकल्टी ऑफ परफॉर्मिंग आर्टस् के ड़ीन थे। जिनके पूर्ण सहयोग से मेरा कार्य सफल हो पाया तथा में वर्तमान **ड़ीन श्री प्रो0 (डॉ0) प्रभाकर दभाडे** का भी आभार प्रकट करता हुँ, जिनके हमेंशा आशीर्वाद वह शुभकामनाएं से प्राप्त हुयी।

इसके उपरांत मैं अपने सहपाठियों व सहमित्रों **अमित खेर, सुगदा, चिराग सोलंकी, दीपक सोलंकी, जयदीप लकुम, दीपेश ढोडी** का धन्यवाद करता हुँ ,जो मेरे कार्य में मेरे सहायक रहे और साथ में मैं अपनी मित्रों में **आकांक्षा बाजपेई** तथा **अक्षिता बाजपेई** का भी आभार प्रकट करता हुँ, जिन्होंने मेरे कार्य में बहुत सहयोग दिया तथा मेरा प्रोत्साहन बढ़ाया।

इसके उपरांत में अपनी फैकेल्टी के पुस्तकालय का धन्यवाद करना चाहता हुँ तथा अपने पुस्तकालय में कार्यरत **कोकिला मैडम** का तहे दिल से आभार प्रकट करता हुँ, जिन्होंने हमेशा मुझे उचित ग्रंथ तथा पुस्तक उपलब्ध करवाई। साथ ही में इस शोध प्रबंध हेतु दत्त सामग्री के संकलन में प्राच्य विद्या मंदिर तथा सभी विद्वानों व प्रकाशकों का भी आभार प्रकट करता हुँ, सभी लेखकों, संगीतरत्नों तथा विद्वानों का आभार प्रकट करता हुँ, जिनकी प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष सहयोग तथा सहायता द्वारा यह शोध कार्य संपूर्ण हो सका है, इन सभी का मैं सदैव ऋणी रहुँगा।

अंत में सभी से मैं आशीर्वाद की कामना करता हुँ।

धन्यवाद

(आकाशमान)